इकनॉमिक टाइम्स
Copyright © 2014 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved
Mon, 21 Aug-17; Economic Times - Hindi - Delhi; Size : 186 sq.cm.;
Circulation:-; Page : 5

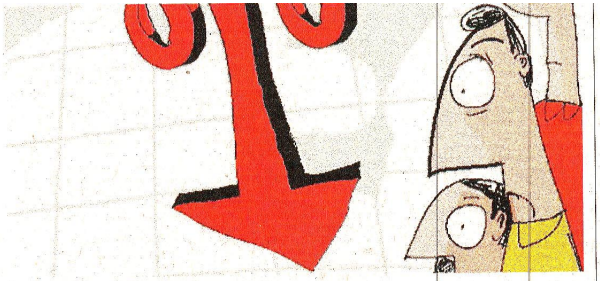

क्या सेविंग रेट में कटौती का फायदा ग्राहकों को देंगे बैंक?

[जोएल रेबेलो | मुंबई]

सेविंग रेट्स में कमी से बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन में 0.15-0.18 पर्सेंट की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह देखना होगा कि फंडिंग कॉस्ट कम होने की वजह से बैंक क्या लोन भी सस्ता करने को मजबूर होंगे। एसबीआई के बाद सभी बड़े बैंकों ने मिनिमम सेविंग रेट को घटाकर 3.5 पर्सेंट कर दिया है। अक्टूबर 2011 में सेविंग्स रेट्स को डीरेगुलेट किया गया था। उसके बाद से पहली बार इसमें कटौती की गई है। एनालिस्टों का कहना है कि सेविंग्स बैंक रेट में कटौती का मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (MCLR) कैलकुलेशन के तहत बैंकों के लेंडिंग रेट्स पर भी असर दिखना चाहिए, जो बैंक डिपॉजिट रेट्स से करीबी तौर पर जुड़ा होता है।

इसी महीने आई रिपोर्ट में इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एनालिस्ट सौम्यजीत नियोगी ने कहा था कि सेविंग रेट्स में कटौती से बैंकों के बीच जो मुकाबला शुरू होगा, उससे सरकारी बैंक फायदे में रहेंगे। नियोगी ने कहा था, 'सरकारी बैंकों के पास बड़ा और स्टेबल डिपॉजिट बेस है। प्राइवेट बैंकों की तुलना में उनके पास एमसीएलआर में कटौती की कहीं अधिक गुंजाइश होगी। सरकारी बैंकों के एमसीएलआर में अधिकतम 0.35 पर्सेंट की कटौती हो सकती है। प्राइवेट बैंकों के लिए इसकी अधिकतम सीमा 0.25 पर्सेंट होगी। इससे बड़ा डिपॉजिट रखने वाले बड़े बैंकों के बीच मुकाबला तेज हो सकता है। वे लोन मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश करेंगे।' एसबीआई और पीएनबी जैसे बड़े सरकारी बैंकों के अलावा इससे आईसीआईसीआई, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक को भी फायदा होगा। एसबीआई के पास 36 पर्सेंट सेविंग्स डिपॉजिट है तो पीएनबी के पास 34 पर्सेंट। वहीं, आईसीआईसीआई के पास 35 पर्सेंट, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस में से हरेक के पास 30 पर्सेंट।

सेविंग्स बैंक रेट में कटौती का MCLR कैलकुलेशन के तहत बैंकों के लेंडिंग रेट्स पर भी असर दिखना चाहिए, जो बैंक डिपॉजिट रेट्स से करीबी तौर पर जुड़ा होता है

रिलायंस सिक्योरिटीज के एनालिस्ट आशुतोष मिश्रा ने बताया, '30 पर्सेंट सेविंग डिपॉजिट वाले सभी बैंकों को इससे फायदा होगा। हालांकि, सभी बैंक इसका बेनेफिट बॉरोअर्स को नहीं देने जा रहे हैं। मिसाल के लिए, एसबीआई पहले ही कह चुका है कि सहयोगी बैंकों के साथ मर्जर की वजह से उसके मार्जिन में 0.60-0.80 पर्सेंट की कमी आई है। इसलिए वह लोन सस्ता नहीं कर सकता। हालांकि, एचडीएफसी बैंक जो लोन ग्रोथ बढ़ाने को बेचैन है, वह ब्याज दरों में कटौती करके अधिक कॉरपोरेट्स को लुभाने की कोशिश कर सकता है।' रिजर्व बैंक के एमसीएलआर सिस्टम में रेपो रेट में कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को नहीं देने की आलोचना के बाद सेविंग्स रेट में कटौती शुरू हुई है।